परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-5, मुंबई

शैक्षणिक सत्र : 2025-26

कक्षा : दसवीं **विषय : हिन्दी** (द्वितीय भाषा)

अभ्यासपत्रक क्र. 3

पाठ का नाम : पाठ 1. नेताजी का चश्मा

प्र.1 निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए | (1x5=5)

लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं ज्यादा होने के कारण काफ़ी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर, मान लीजिए मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया होगा, जो महीने-भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

(1) नगरपालिका का बोर्ड किसकी मूर्ति बनवाना चाहता था?

(क) महात्मा गांधी की
(ख) सुभाष चंद्र बोस की
(ग) सरदार वल्लभ भाई पटेल की
(घ) डॉ राधाकृष्णन की

(2) नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य किस सौंपा गया?

(क) मास्टर हीरालाल को
(ख) मास्टर पन्नालाल को
(ग) मास्टर मोतीलाल को
(घ) मास्टर हरिलाल को

(3) बोर्ड मूर्ति के निर्माण कार्य को जल्दी-जल्दी क्यों करवाना चाहता था?

(क) वह अपनी तारीफ करवाना चाहता था।
(ख) वह लोगों में अपनी छवि सुधारना चाहता था।
(ग) बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने वाली थी।
(घ) वह दिखाना चाहता था कि कम से कम समय में अधिक काम कैसे होता है।

(4) बोर्ड के सामने क्या समस्याएं आईं?

(क) बोर्ड के सदस्य बहुत कम थे।
(ख) बोर्ड के पास बजट कम था तथा अच्छे मूर्तिकार की जानकारी नहीं थी ।
(ग) बोर्ड के पास धन नहीं था।
(घ) बोर्ड पैसा खर्च नहीं करना चाहता था।

(5) मास्टर ने नगरपालिका के बोर्ड को क्या विश्वास दिलाया?

(क) वे मूर्ति बहुत सुंदर बनाएंगे।
(ख) वे एक महीने में मूर्ति के निर्माण का कार्य संपूर्ण कर देंगे।
(ग) वे मूर्ति बनाने के लिए कुछ भी धन नहीं लेंगे ।
(घ) वे मूर्ति बहुत बड़ी बनाएंगे।

प्र.2 पाठ के आधार पर निम्न बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1x5=5)**

(1) नेताजी का चश्मा पाठ के लेखक हैं -

(क) मन्नू भंडारी
(ख) स्वयं प्रकाश
(ग) यतींद्र मिश्र
(घ) यशपाल

(2) कस्बे के चौराहे पर स्थित मूर्ति को देखकर कौन से नारे याद आने लगते थे?

(क) साइमन गो बैक
(ख) आजादी हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है ।
(ग) अंग्रेजों भारत छोड़ो
(घ) "दिल्ली चलो", "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" ।

(3) सेनानी ना होते हुए भी लोग चश्मे वाले को कैप्टन क्यों कहते थे?

(क) उसकी मन अहंकार से भरा था।
(ख) उसका हृदय घृणा के भाव से ओतप्रोत था।
(ग) उसके हृदय में देश और वीर शहीदों के लिए सम्मान था।
(घ) उसके मन में अपने व्यवसाय के प्रति आदर भाव था।

(4) मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

(क) सभी इस चश्मे को पहन सकते हैं।
(ख) यह चश्मा सभी बना सकते हैं ।
(ग) यह चश्मा सस्ता मिलता है।
(घ) देशभक्त कैप्टन मरकर भी उस कस्बे के बच्चों में ज़िंदा है।

(5) दूसरी बार हलदर साहब ने मूर्ति में क्या अंतर देखा?

(क) पहले चश्मा पतले फ्रेम वाला था तथा अब शीशे के गोल आकार का।
(ख) पहले चश्मा मोती फ्रेम वाला चौकोर था तथा अब तार के फ्रेम वाला गोल आकार का।
(ग) पहले चश्मा चौड़ा था तथा अब चश्मा छोटा और पतला था।
(घ) पहला चश्मा काला था तथा अब चश्मा रंगीन था।

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए | (2x5=10)

(क) मूर्तिकार के द्वारा मूर्ति बनाकर पटक देने के पीछे क्या भाव निहित है?

(ख) हम सभी कैसे अपने दैनिक कार्यों से किसी न किसी रूप में अपने देश प्रेम को प्रकट कर सकते हैं?

(ग) देशभक्ति की भावना आजकल मजाक की चीज़ क्यों बनती जा रही है?

(घ) यह क्यों कहा गया है कि महत्व मूर्ति के रंग-रूप कद का नहीं, उस भावना का है? पाठ 'नेताजी का चश्मा' के आधार पर बताओ ।

(च) नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर पाठ में वर्णित कस्बे का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

प्र.4 निम्न पक्तियों में प्रयुक्त 'वाच्य' पहचानिए | (1x5=5)

(क) पानवाले द्वारा एक देशभक्त का मज़ाक उड़ाया गया |

(ख) कैप्टन चश्मेवाले ने मूर्ति पर एक चश्मा लगाया |

(ग) ड्राइवर द्वारा ज़ोर से ब्रेक मारे गए |

(घ) पाँनवाले से रोया भी न गया |

(च) चलो, अब सोया जाए |

प्र.5 निम्न वाक्यों में निहित 'रचना की दृष्टि से वाक्य' पहचानिए | (1x5=5)

(क) हालदार साहब नहीं चाहते थे कि तबादला कहीं और हो जाएँ |

(ख) मूर्ति सीमित बजट में बनी थी और सुंदर थी |

(ग) पत्थर का चश्मा बनाकर अलग से फिट किया होगा, जो निकल गया होगा |

(घ) कलाकार तय नहीं कर पाया कि पत्थरों में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए |

(च) कैप्टन आजाद हिन्द फ़ौज का भूतपूर्व सिपाही होगा |

****